आकाशवाणी श्री विजयपुरम

10.11.2026 समय : 1905

1. गोवर्धन पूजा पर मथुरा–वृन्दावन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं।
2. सिपीघाट में 'खेत बचाओ अभियान' के तहत किसानों को दिया गया वैज्ञानिक खेती का प्रशिक्षण, भातूबस्ती में मसालों और सुगंधित पौधों से तेल निकालने की सुविधा शुरू हुई।
3. कार निकोबार के ककाना गांव में ग्रामीणों को सुनामी आपदा से बचाव और आपातकालीन तैयारियों के प्रति किया गया जागरूक।
4. जनसहयोग और दक्षिण अंडमान पुलिस की ईमानदारी की मिसाल, वंडूर में मिली करीब सवा लाख रुपये की सोने की चेन– असली मालकिन को सौंपी।

<><><><><><><>

गोवर्धन पूजा आज देशभर में मनाई जा रही है। श्रद्धालु मथुरा और वृन्दावन में मंदिरो में दर्शन और गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा कर रहे हैं। इस अवसर पर श्रद्धालु भगवान को छप्पन भोग अर्पण कर रहे हैं और अन्नकूट बना रहे हैं। आज के दिन लोग गायों की पूजा करते हैं। इस दिन गायों को गुड़ और चावल खिलाने की भी परंपरा है। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करे।

<><><><><><><>

केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने अंडमान–निकोबार के किसानों के लिए मसालों और सुगंधित पौधों से तेल निकालने की नई सुविधा शुरू की है। पिछले दिनों 'खेत बचाओ अभियान' के तहत सिपीघाट में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को मसालों और बागान फसलों की वैज्ञानिक खेती, दालचीनी की कटाई, नारियल की खेती, मिश्रित खेती, पौधों की कलम तैयार करने और कृषि पर्यटन की जानकारी दी गई। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजीत अरुण वामन और डॉ. पूजा बोहरा ने विभिन्न कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया। किसानों को विशेष संयंत्र के माध्यम से तेल निकालने, उसकी पैकिंग और उपयोग की जानकारी भी दी गई। समापन सत्र में संस्थान के निदेशक डॉ. जय सुंदर ने भातूबस्ती परिसर स्थित इस तेल निकालने की इकाई को किसानों के प्रशिक्षण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली सुविधा के रूप में शुरू करने की घोषणा की। किसान मसालों और सुगंधित पौधों की अच्छी गुणवत्ता वाली कच्ची उपज लाकर मात्र सौ रुपये प्रति खेप की दर से तेल निकलवा सकेंगे। उन्होंने किसानों से इस सुविधा का लाभ उठाकर अपनी आय बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम में दक्षिण अंडमान के नौ गांवों से कुल इकसठ किसानों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

भारत की जल प्रबंधन से जुड़ी पहल विकासशील देशों के लिए एक उदाहरण बनकर उभरी हैं। विश्व बैंक समूह में जल विभाग के वैश्विक निदेशक सरोज कुमार झा ने भारत की प्रगति को उल्लेखनीय सफलता बताया है सम्मेलन शुरू होने से पहले श्री झा ने जल जीवन मिशन, नमामि गंगे और स्वच्छ भारत मिशन जैसी पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत सात साल से भी कम समय में अस्सी करोड़ लोगों तक बेहतर पेयजल सुविधा पहुंचाई गई है। उन्होंने गंगा की सफाई और लगभग नौ सौ बांधों की सुरक्षा मजबूत करने के प्रयासों की भी सराहना की। श्री झा ने भारत से आग्रह किया कि वह सम्मेलन में अपने अनुभवों को दुनिया के अन्य देशों के साथ साझा करे। संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन 2026 आठ से दस दिसंबर तक अबू धाबी में आयोजित होगा।

<><><><><><><>

अंडमान–निकोबार प्रशासन ने सूचित किया है कि विभिन्न विशिष्ट अतिथियों के प्रस्तावित दौरों के कारण 15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक प्रशासन के सर्किट हाउस और सरकारी अतिथि गृहों में ठहरने की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। प्रशासन के सचिव (सामान्य प्रशासन एवं प्रोटोकॉल) की ओर से जारी सूचना में केंद्र और सभी राज्य सरकारों के मंत्रालयों, अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों से इस अवधि के लिए अतिथि गृहों में ठहरने का अनुरोध नहीं भेजने की अपील की गई है। साथ ही अधिकारियों और विशिष्ट अतिथियों के प्रस्तावित दौरों को इस अवधि के बाद के लिए टालने पर विचार करने का अनुरोध किया गया है।

<><><><><><><><>

अंडमान–निकोबार के तीस तटीय गांवों को सुनामी से सुरक्षित बनाने की योजना के तहत आज कार निकोबार के ककाना गांव स्थित सामुदायिक भवन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका आयोजन निकोबार जिला उपायुक्त कार्यालय के जिला आपातकालीन संचालन केंद्र ने किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को सुनामी के कारणों, संभावित खतरों, प्राकृतिक चेतावनी संकेतों, पूर्व चेतावनी प्रणाली और आपातकालीन सूचनाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही सुरक्षित स्थानों, निर्धारित निकासी मार्गों, परिवार की सुरक्षा योजना और आपातकालीन राहत किट तैयार रखने के महत्व को समझाया गया। सवाल–जवाब सत्र के जरिए ग्रामीणों की शंकाओं का समाधान भी किया गया। यह अभियान आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा हैदराबाद स्थित भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र तथा दक्षिण अंडमान, उत्तर एवं मध्य अंडमान और निकोबार जिला प्रशासन के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य तटीय गांवों के लोगों को सुनामी के खतरे से निपटने के लिए जागरूक और तैयार करना है। इसी कड़ी में शेष चिह्नित तटीय गांवों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

<><><><><><><><>

दूरदर्शन केंद्र, श्री विजयपुरम की ओर से कल 'पेट टॉक बियॉन्ड द बॉन्ड' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। इस बार कार्यक्रम का विषय 'मुर्गी पालन के माध्यम से स्वरोजगार' होगा। शाम 6 बजे से प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम में पशु चिकित्सा अधिकारी एवं पोर्ट मोट और एलिफेंट पॉइंट स्थित पशुचिकित्सा केंद्रों की प्रभारी डॉ. सांझली सोरेन विशेषज्ञ के रूप में स्टूडियों में उपस्थित रहेंगी। वह मुर्गी पालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं और इसके जरिए स्वरोजगार शुरू करने की संभावनाओं पर दर्शकों के सवालों के जवाब देंगी। दर्शक फोन–इन कार्यक्रम में फोन नंबर 244–745 या 245–662 पर कॉल करके भाग ले सकते हैं।

<><><><><><><><>

जनसहयोग एवं दक्षिण अंडमान पुलिस की तत्परता से करीब सवा लाख रुपये कीमत की सोने की चेन उसके असली मालिक को वापस मिल गई। पुलिस के अनुसार 8 नवंबर की शाम वंडूर समुद्र तट की पार्किंग में मिली सोने की चेन को वंडूर की वार्ड सदस्य सुखलता पहान और न्यू वंडूर निवासी अजय कुमार बरोई ने हम्फ्रीगंज थाने के पुलिसकर्मियों को सौंपा। थाना प्रभारी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से चेन के मालिक की तलाश शुरू की। पूछताछ के बाद गुप्तापाड़ा निवासी रेवती की पहचान चेन की मालकिन के रूप में हुई। 9 नवंबर की शाम आवश्यक जाँच के बाद पुलिस ने चेन उन्हें लौटा दी। रेवती और उनके परिजन ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार जताया। दक्षिण अंडमान पुलिस ने ईमानदारी और नागरिक जिम्मेदारी दिखाने के लिए अजय कुमार बरोई और सुखलता पहान की सराहना की।

<><><><><><><><>

समाज कल्याण निदेशालय ने मिशन वात्सल्य के तहत चाइल्ड हेल्पलाइन–1098 में संविदा आधार पर एक हेल्पलाइन प्रशासक और एक कॉल ऑपरेटर पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक उम्मीदवार 27 नवंबर को शाम 5 बजे तक गोलघर स्थित समाज कल्याण निदेशालय में आवेदन जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर संपर्क किया जा सकता है।